जय जय सीताराम | By Vivek Smily & Priya Pujarin |

भक्तों में भक्त बड़े वीर हनुमान
जय जय श्रीराम, बोलो जय जय सीताराम।

भक्तों के दु:खों का करता तू नाश,
सुनता है सबकी हो दूर या हो पास।
दुष्टों का कर दे तू कम तमाम,
जय जय श्रीराम, बोलो जय जय सीताराम।

बड़ा ही दयालु है ये अंजनी का लाल,
धनी हो या निर्धन सबका रखता ख़याल।
दीन दुखियों के सारे करता ये काम,
जय जय श्रीराम, बोलो जय जय सीताराम।

खोजा सिया को, जलाई रावण की शान,
लाए संजीवन बचे लक्ष्मण के प्राण।
संकटमोचन "विश्वा" दिया राम जी ने नाम,
जय जय श्रीराम, बोलो जय जय सीताराम।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%b8%e0%a5%80%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-vivek-smily-priya-pujarin/